This question paper contains 8 printed pages]

Your Roll No.....

3467

LL.B./VI Term **B**

Paper LB-602—JURISPRUDENCE II (NC)

(Concepts)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 100

(*Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.*)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : — इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. With reference to Hohfeld's analysis of jural relation, explain and illustrate that claim, liberties, powers and immunities are

P.T.O.

subsumed under the term 'rights' but it is essential to appreciate that word had undergone four different interpretation in its meaning. 20

"दावा, स्वतंत्रता, शक्ति एवं उन्मुक्ति सभी "अधिकार" शब्द में सम्मिलित हैं, परन्तु इसका मूल्यांकन करना अत्यावश्यक है कि उक्त शब्द इसके अर्थ के सम्बंध में चार विभिन्न निर्वचनों से होकर गुजरा है ।" होहफिल्ड के न्यायिक सम्बंध के विश्लेषण के सन्दर्भ में उपर्युक्त की व्याख्या एवं उदाहरण दीजिए ।

2. "Sometimes the right-centred moral thinking is to strange extremes. We would all agree that parents ought to look after their children bringing them up in an environment of love and warmth. As the writing of Plato, Aristotle, Augustine, Acquinas and Hegel show, the 'ought' in question can be derived in several different ways. The tendency since the seventeenth century onwards is to contend that children have rights to parental maintenance, love and even inheritance, and that parents have corresponding duties. What is generally a matter

of love is first reduced to a duty, and then duty is conceived as a demand originating from the Child's right." Critically examine aforesaid 'observation' in the light of "The modern conception of Right and its Marxist Critique. 20

"कभी-कभी सही नैतिक सोच अत्यन्त अद्‌भुत होती है । हम सभी इस बात से सहमत होंगे कि माता-पिता को अपने बच्चों की देखभाल एवं पालन-पोषण लाड़-प्यार के माहौल में करना चाहिए । प्लेटो, अरस्तु, अगस्तीन अक्विनास और हीगल की रचनाएँ दर्शाती हैं कि 'Ought' प्रश्न का अर्थ भिन्न-भिन्न तरीकों में विभिन्न रूपों में उत्पन्न हो सकता है । सत्रहवीं शताब्दी और उसके पश्चात् की यह प्रवृत्ति रही है कि भरण-पोषण, स्नेह और पैतृक सम्पत्ति बच्चे का अधिकार है तथा माता-पिता का दायित्व है । सामान्यत: प्यार से सम्बंधित मामले जो पहले कर्तव्य तत्पश्चात् बच्चे के अधिकारस्वरूप माँग के रूप में उत्पन्न हुए ।" उक्त टिप्पणी को "अधिकार की आधुनिक अवधारणा एवं इसकी मार्क्सीयन आलोचना" के प्रकाश में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

3. What are the important essentials of penal liability ? Can a person be held liable under criminal law where neither wrongful intention nor negligence is established ? Also give a critical account of distinction between criminal liability and civil liability. 20

दाण्डिक दायित्व के महत्वपूर्ण तत्व कौनसे हैं ? क्या एक व्यक्ति आपराधिक विधि के अधीन दायित्वाधीन किया जा सकता है जहाँ न तो सदोष आशय और न ही उपेक्षा स्थापित होती है ? दाण्डिक दायित्व एवं दीवानी दायित्व में आलोचनात्मक अन्तर भी बताइये ।

4. (*a*) Critically discuss the concept of possession with special reference to the contribution made to this concept by Savigny, Ihering and Salmond. 10

(*b*) Who has the possession in the following cases :

(*a*) X, a cleaner employed by Y to clean the pool of Y, finds a diamond necklace in the bottom of the pool. X, claims possession of the necklace.

(*b*) X, securityman of Mayur Vihar finds a jewel at a gate of Y's flat which he hands over to a goldsmith to find out what it is. The goldsmith refuses to return the jewel to X. 10

(क) कब्जा संकल्पना में मुख्य रूप से सेविग्नी, इहरिंग और सालमण्ड के योगदान के सन्दर्भ में आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

(ख) निम्न वादों में किसका कब्जा है ?

(अ) Y ने X को अपने ताल की सफाई के लिए नियुक्त किया, X को ताल की सफाई करते हुए एक हीरे की कंठी मिलती है । X उस कंठी के कब्जे का दावा करता है ।

(ब) X एक सुरक्षाकर्मी जो मयूर विहार में कार्यरत है, को Y के फ्लेट के दरवाजे से एक आभूषण मिलता है, जिसको वह एक जौहरी को यह जानने के लिए देता है कि यह क्या है ? सुनार/जौहरी उस आभूषण को X को देने से मना कर देता है ।

5. Discuss various theories to patriarchal nature of law and how they differ from each other in fundamental ways. Also analyse how the judiciary had attitude to the questions relating to Women's Right in India.

पैतृक विधि के स्वरूप के विभिन्न सिद्धान्तों का मूल्यांकन कीजिए तथा ये मूलभूत आधारों पर एक दूसरे से किस प्रकार भिन्न हैं । भारत में महिलाओं के अधिकारों के सवालों के सन्दर्भ में न्याय-प्रणाली के रुख का भी विश्लेषण कीजिए।

6. "Legal personality is a fictitious attribution of personality by law, as sort of personification of law."

Critically examine the above statement in the light of various theories of legal personality. Also give distinction between corporation aggregate and corporation sole. 20

"विधिक व्यक्तित्व, विधि के द्वारा व्यक्तित्व का एक काल्पनिक आरोपण है, एक प्रकार से विधि का मानवीकरण ।" विधिक व्यक्तित्व के विभिन्न सिद्धान्तों के प्रकाश में उपर्युक्त कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । समष्टि निगम एवं सकल निगम में अन्तर भी स्पष्ट कीजिए ।

7. Critically examine the following statement in the light of the paper of Allen Buchanan "What's so special about rights ?

(*a*) "The difficulty is this. If some non-persons have rights and it is possible for us to respect these rights than respecting rights cannot itself entail ..... showing respect for persons as persons.

(*b*) "The assumption that only rights principles are enforceable seems to be an unsupportable dogma."

एलन बुचानन के प्रपत्र के प्रकाश में निम्नलिखित कथनों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । अधिकारों के बारे में क्या विशिष्ट है ?

(क) कठिनाई यह है कि यदि कुछ गैर-व्यक्ति अधिकार रखते हैं और उन अधिकारों का सम्मान हमारे लिए सम्भव है जबकि अधिकारों का सम्मान अपने आप में अपरिहार्य नहीं हो सकता ..... व्यक्ति, व्यक्ति के रूप में सम्मान दिखाना ।

(ख) यह संकल्पना कि केवल अधिकार सिद्धांत ही परिवर्तनीय होते हैं असमर्थित धर्म सिद्धांत प्रतीत होता है ।

8. Write short notes on the following

(*a*) "Rights in a capitalist society becomes manifestation of politically protected power." Critically examine it in reference to Prof. Upendra Baxi's article from Human Rights to the right to be Human : Some Heresies !

(*b*) Examine Article 32 of the Indian Constitution dealing with Constitutional remedies to focus on the utility of Hohfeldian analysis in the light of Upendra Baxi's "Laches and the Right to Constitutional Remedies : Quis Custodiet Ipsos Custodes" ?

निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

(क) "पूँजीवादी समाज में अधिकार राजनैतिक संरक्षित शक्ति की अभिव्यक्ति हो जाते हैं ।" प्रोफेसर उपेन्द्र बख्सी के प्रपत्र "From Human Rights to the right to be Human : Some Heresies" के सन्दर्भ में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

(ख) प्रोफेसर उपेन्द्र बख्सी "Laches and the Right to Constitutional Remedies : Quis Custodiet Ipsos Custodes" के प्रकाश में हॉफिल्डियन विश्लेषण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 में दिए सांविधानिक उपचारों का परीक्षण कीजिए ।